(घ) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या है और इस परियोजना के निर्माण पर निगम द्वारा अब तक कितनी धनराशि खर्च की गई है ;

(ङ) क्या यह भी सच है कि विभिन्न राज्य विद्युत बोर्डों पर दामोदर घाटी निगम की लेनदारी है ; और

(च) यदि हां तो सितम्बर, 1992 तक किस किस राज्य विद्युत बोर्ड पर कितनी-कितनी लेनदारी थी ?

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) जी, हां ।

(ख) 4×210 मेगावाट (चरण I) ताप विद्युत परियोजना को 1205.08 करोड रुपए की अनुमानित लागत से अधिष्ठापित किए जाने के लिए परियोजना को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सी०ई०ए०) द्वारा नवम्बर 1988 में तकनीकी-आर्थिक दृष्टि से स्वीकृत कर दिया गया था ।

(ग) रूसी फडरेशन की सरकार ने राज्य से राज्य के लिए ऋण उपलब्ध कराए जाने के बारे में सूचित किया है लेकिन इससे संबंधित शर्तों के लिए बातचीत की जानी है ।

(ग) परियोजना के लिए अपेक्षित निधियां अभी सुनिश्चित की जानी हैं । इस परियोजना के प्रारम्भिक कार्यों के लिए दामोदर घाटी निगम (डी वी सी) ने अभी तक 2.07 करोड़ रुपए खर्च किए हैं ।

(ङ) और (च) 30 सितम्बर, 1992 की स्थिति के अनुसार दामोदर घाटी निगम की राज्य बिजली बोर्डों की ओर बकाया राशियों का ब्यौरा निम्नानुसार है :—

राज्य बिजली बोर्ड	राशि (करोड रुपए)
1. पश्चिम बंगाल	115.64
2. बिहार	477.56
3. असम	0.15

दुल हस्ती जल विद्युत परियोजना के निर्माण में विलम्ब के कारण इसकी निर्माण लागत में वृद्धि

4327 **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठ मलानी :

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जम्मू और कश्मीर में दुल हस्ती जल विद्युत परियोजना मूल निर्धारित अवधि में पूरी न हो पाने के कारण, इसकी निर्माण लागत में भारी वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो यह वृद्धि कितने प्रतिशत हुई है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस परियोजना के अंतर्गत उत्पन्न होने वाली बिजली की कीमत इतनी अधिक है कि यह परियोजना अनार्थिक बन गई है ;

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और प्रारंभ में प्रति 1000 मेगावाट विद्युत की उत्पादन लागत क्या थी ; और

(ङ) क्या सरकार इस परियोजना के अनार्थिक होने संबंधी पहलू को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना के स्वरूप पर पुनर्विचार करेगी, यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) और (ख) नैशनल हाइडो-इलक्ट्रिक पावर कारपोरेशन, एन. एच.पी सी.) द्वारा दुलहस्ती जल विद्युत परियोजना को तर्न-की आधार पर क्रियान्वित किए जाने के लिए सिम्तबर, 1989 में मसर्स सीईजीईएलईसी के नेतृत्व वाली एक फ्रांसीसी कन्सोर्टियम को ठेका दिया गया था । ठेके के अनुसार परियोजना को जुलाई, 1994 तक चालू किया जाना है । विगत के कुछ महिनों के दौरान परियोजना की प्रगति में अस्थायी गतिरोध उत्पन्न हो गया था । तथापि, परियोजना के पूरा होने के कार्यक्रम और लागत पर

इसके प्रभावों का अनुमान लगाना ऐसी स्थिति में असामयिक होगा ।

(ग) और (घ) परियोजना के लिए जुलाई, 1989 में दी गई निवेश संबंधी स्वीकृति के अनुसार, अक्टूबर, 1988 की विनिमय दर पर प्रति मेगावट उत्पादन लागत 3.24 करोड रु० आंकी गई है । लागत में वृद्धि मुख्यत विनिमय दर में भिन्नता के कारण हुई है । परियोजना की संशोधित लागत अभी तक सुनिश्चित नहीं की गई है । संसाधनों संबंधी बाधाओं के कारण परियोजना को बाहरी सहायता से क्रियान्वित किया जा रहा है । वर्तमान ठेके के अंतर्गत परियोजना को पूरा किए जाने से एन. एच. पी सी अपने निवेश पर जल्दी ही लाभ प्राप्त करने में सक्षम होगा ।

(ड.) उपरोक्त को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता ।

तेन्दूघाट परियोजना की निर्माण लागत में वृद्धि

4328. **डा० जितेन्द्र कुमार जैन :**
श्री राम जेठ मलानी

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 14 अक्टूबर, 1992 के "दि आबजर्वर" में 'पावर प्रोजेक्ट कास्ट एस्कलेटड 349 परसंट" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि तेन्दूघाट ताप विद्युत परियोजना की लागत 349 प्रतिशत बढ गई है ;

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं ;

(घ) क्या सरकार ने इसके कारणों का पता लगाया है ; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यह परियोजना कब तक पूरी होने की संभावना है ?

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) परियोजना को योजना आयोग द्वारा 175.13 करोड रु० की अनुमानित लागत पर मार्च, 1979 में स्वीकृत किया गया था । तेन्दुघाट विद्युत निगम लिमिटेड जोकि परियोजना को राज्य क्षेत्र में कार्यान्वित किए जाने हेतु परियोजना प्राधिकारी हैं, द्वारा सूचित किया गया है कि वर्तमान स्थिति के अनुसार, परियोजना पर 835 करोड रु. की लागत आने का अनुमान है ।

(घ) और (ड.) माल-सामग्री, उपस्कर तथा श्रम संबंधी लागत में वृद्धि और कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के कारण परियोजना की लागत में वृद्धि हुई है । 210 मे.वा के प्रथम यूनिट को जून, 1993 में तथा द्वितीय यूनिट को दिसम्बर, 1993 में चालू किए जाने की परिकल्पना की गई है ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान कुशलता बढ़ाकर विद्युत के बारे में बचत-लक्ष्य

4329. **डा. जितेन्द्र कुमार जैन :**
श्री राम जेठ मलानी :

क्या **विद्युत** मंत्री वह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान ऊर्जा के क्षेत्र में और अधिक कुशलता पैदा कर ऊर्जा बचत का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इस लक्ष्य के अंतर्गत कितनी विद्युत की बचत होने की संभावना है ;

(ग) सरकार इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए क्या कदम उठाने का विचार रखती है ; और

(घ) इन कदमों के परिणामस्वरूप आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के अंत